



Mr.



Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121656907

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
05/10/1994 :	जन्म तिथि	: 08/02/1994
बुधवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 11:50:00 :	जन्म समय	: 20:00:00 घंटे
घटी 14:58:07 :	जन्म समय(घटी)	: 33:24:27 घटी
India :	देश	: India
Gorakhpur :	स्थान	: Gorakhpur
26:45:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व :	रेखांश	: 83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32 :	स्थानिक संस्कार	: 00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:50:45 :	सूर्योदय	: 06:38:13
17:38:54 :	सूर्यास्त	: 17:43:23
23:47:14 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:46:46

विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 11मा 13दि
गुरु
18/09/2022
18/09/2038

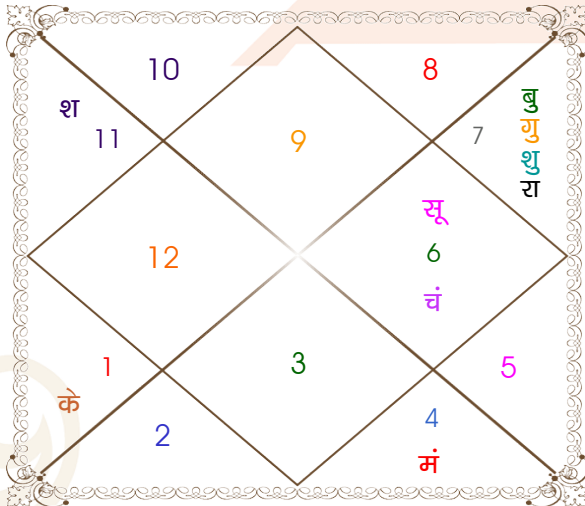
गुरु	05/11/2024
शनि	19/05/2027
बुध	24/08/2029
केतु	31/07/2030
शुक्र	31/03/2033
सूर्य	17/01/2034
चन्द्र	19/05/2035
मंगल	24/04/2036
राहु	18/09/2038

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
05:43:15	धनु	लग्न	सिंह	26:42:14
17:59:59	कन्या	सूर्य	मक	25:49:24
19:23:47	कन्या	चंद्र	मक	01:58:36
06:33:17	कर्क	मंगल	मक	15:08:20
11:48:21	तुला	बुध	कुंभ	13:08:00
22:07:31	तुला	गुरु	तुला	20:15:36
23:02:19	तुला	शुक्र	कुंभ	01:13:45
12:54:31	कुंभ	व शनि	कुंभ	07:28:33
21:19:11	तुला	व राहु	वृश्चि	05:51:46
21:19:11	मेष	व केतु	वृष	05:51:46
28:36:19	धनु	व हर्ष	मक	00:02:45
26:47:18	धनु	व नेप	धनु	28:06:43
02:28:45	वृश्चि	व प्लूटो	वृश्चि	04:09:56

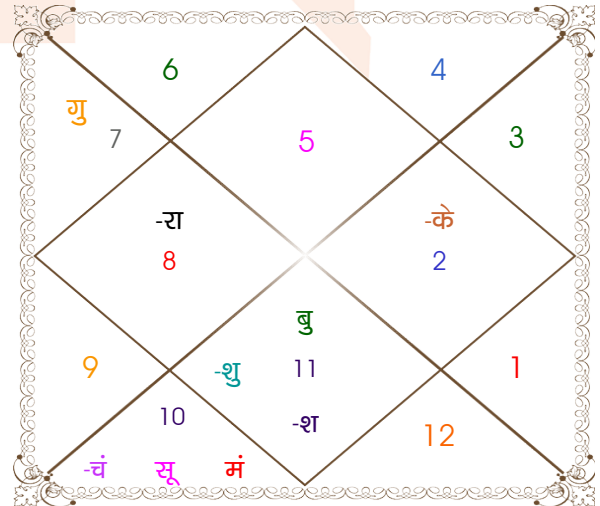
विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 7मा 9दि
राहु
19/09/2014
19/09/2032

राहु	01/06/2017
गुरु	26/10/2019
शनि	01/09/2022
बुध	20/03/2025
केतु	08/04/2026
शुक्र	08/04/2029
सूर्य	02/03/2030
चन्द्र	01/09/2031
मंगल	19/09/2032

लग्न-चलित



लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

